जम्मू व कश्मीर राज्य
विद्यालीय शिक्षा परिषद्

सरस भारती

भाग — 2

जम्मू व कश्मीर राज्य विद्यालीय शिक्षा परिषद्

सरस भारती

भाग 2

सरस भारती

भाग 2

जम्मू व कश्मीर राज्य विद्यालीय शिक्षा परिषद्

जम्मू एवं कश्मीर राज्य शिक्षा बोर्ड
श्रीनगर/जम्मू

20टी - सितंबर, 2010
September, 2010- 20T

© जम्मू एवं कश्मीर राज्य शिक्षा बोर्ड

- *प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रानिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।*
- *इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।*

संपादन : बशीर अहमद डार, (भूतपूर्व) शैक्षिक निदेशक, जम्मू एवं कश्मीर उच्चतर शिक्षा बोर्ड एवं नोडल अधिकारी, ई.ई.एस.एस.
आवरण एवं साज सज्जा : दि अवन्त गार्ड, 494, सै. 31, फरीदाबाद-120003 (हरियाणा)

मूल्य : रु. 35.00

प्रकाशक : सचिव, जम्मू एवं कश्मीर विद्यालय शिक्षा बोर्ड
मुद्रक : न्यू प्रिंटइंडिया प्रा. लि. 8/4बी, इंडस्ट्रियल एरिया, साइट IV, साहिबाबाद-201010, गाजियाबाद

दो शब्द

एन.सी.एफ. २००५ की शिक्षा नीति के लक्ष्यों की पूर्ति एवम् प्राप्ति हेतु राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर ऐसी शिक्षण सामग्री की आवश्यकता महसूस की गई है जो उपर्युक्त शिक्षा नीति के उद्दश्यों को पूर्णरूपेण प्राप्त कर सके। इसी तथ्य को ध्यान में रखकर जम्मू-कश्मीर स्टेट बोर्ड ऑफ स्कूल ऐजूकेशन ने अभीष्ट सामग्री को शिक्षण पाठ्य-क्रम में स्थान देने के लिये राज्य के शिक्षकों व विभिन्न विषयों से सम्बन्धित विद्वज्जनों की कार्यशालाएं भी आयोजित कीं। प्रस्तुत पुस्तक के अतिरिक्त अन्य पुस्तकों को भी इन्हीं कार्यशालाओं की सहमति एवम् सम्मति द्वारा मान्यता प्राप्त करवाई गई है। प्रस्तुत पुस्तक में प्रयास किया गया है कि कम से कम सामग्री तथा समय के द्वारा अधिक से अधिक पठन-योग्याताओं का विकास हो सके। सामग्री का संयोजन इस ढंग से किया गया है कि बच्चों के हृदय में साहित्य के प्रति रूचि जागृत तथा विकसित हो सके। क्योंकि साहित्यिक रूचि का विकसित रूझान बच्चों को किसी भी भाषा के साहित्य की ओर आकृष्ट कर सकता है।

प्रस्तुत पुस्तक दूसरी कक्षा के बच्चों को हिन्दी वर्णमाला के समस्त अक्षरों, मात्राओं, संयुक्त अक्षरों तथा उनके लिपि संकेतो से परिचित कराना है। प्रस्तुत पुस्तक में दिये गए अभ्यासों के द्वारा बच्चों के अन्दर वाक्य रचना की योग्यता तथा समझ विकसित की जा सकती है तथा पुस्तक में अप्रत्यक्ष रूप से लिंग, वचन, काल आदि का ज्ञान भी करवाया गया है।

प्रो० देश बन्धु गुप्ता
चेयर मैन,
जम्मू व कश्मीर राज्य विद्यालीय शिक्षा परिषद्

आभार

प्रस्तुत पुस्तक 'सरस भारती' कक्षा दूसरी को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम पद्धति २००५ के अनुसार विकसित करने के लिये आयोजित प्रयोग शाला में आमंत्रित विशेषज्ञों तथा विद्वज्जनों का विशेष सराहणीय योगदान रहा। जिन्होंने प्रयोगशाला में अपने बौद्धिक व्यायाम द्वारा कक्षा में स्तरानुसार यथोचित पाठ्य सामग्री को नव निर्मित पुस्तक में सम्मिलित करते हुए पाठ्य-पुस्तक निर्माण के पवित्र कार्य को सम्पन्न किया (पुस्तक निर्माण हेतु आयोजित कार्यशाला को सफल बनाने तथा कार्य को लक्ष्य तक पहुँचाने के लिये निम्नलिखित विद्वानों का योगदान रहा :-

१. श्री केवल कृष्ण शर्मा - प्राध्यापक हिन्दी, गवर्नमेंट हायर सैंकडरी मुबारक मंडी।

२. कुमारी रीटा चाड़क - प्राध्यापक हिन्दी, गवर्नमेंट हायर सैंकडरी स्कूल सरवाल (जम्मू)।

३. श्री शाम लाल शर्मा - सेवा निवृत्त।

उपर्युक्त विद्वानों के अतिरिक्त सेवा निवृत्त सी. डी.आर.विंग.के जिन अधिकारियों का सहयोग रहा के इस प्रकार हैं -

१. डॉ. बंसी लाल शर्मा : शैक्षिक पदाधिकारी।

२. डॉ. यासिर हामिद सिरवाल : शैक्षिक पदाधिकारी।

३. मोहम्मद जमील

४. श्री प्रदीप कुमार : शैक्षिक पदाधिकारी।

इसके अतिरिक्त कु० गोमती शर्मा - रिद्धि कम्प्यूटर डिज़ाइनर, शास्त्री नगर को कदापि नहीं भुलाया जा सकता जिन्होंने कम्प्यूटर द्वारा पाठ्य-सामग्री को लिपिबद्ध करने का सराहरणीय योगदान दिया।

डॉ. शेख बशीर अहमद
सैक्ट्री/डायरैक्टर (अकैडमिक)
जम्मू व कश्मीर राज्य विद्यालीय शिक्षा परिषद्

किताब में आए चिह्न

आपको किताब में जगह-जगह ये चिह्न दिखाई देंगे। इनका मतलब यहाँ दिया गया है।

लिखो

खेल

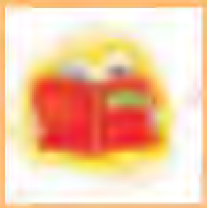
सिर्फ़ पढ़ने के लिए

ढूँढो और लिखो

बनाओ

तुम्हारी कल्पना से

करो

खोजो

बातचीत के लिए

विषय - सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	शेर और चूहा (कहानी)	1-3
2.	कौन अधिक बलवान ? हवा या सूर्य	4- 7
3.	दोस्त की मदद	8 - 13
4.	मेरी अम्माँ (कविता)	14-17
5.	बहुत हुआ	18-21
	काले मेघा पानी दे	22
	सावन का गीत	23
6.	तितली और कली	24-27
7.	कौन ? (कविता)	28-32
8.	बुलबुल	33-38
9.	मीठी सारंगी	39-44
10.	जम्मू	45-48
11.	टेसू राजा बीच बाज़ार	49-56
12.	बस के नीचे बाघ	57-62
	तेंदुए की खबर	63-65
	बाघ का बच्चा	66-67
13.	डल-झील	68-73
14.	सूरज जल्दी आना जी	74-77
15.	नटखट चूहा	78-87

1. शेर और चूहा

उछल–कूद	सहायता	दहाड़
संकट	धन्यवाद	मित्र

एक जंगल था। जंगल में एक शेर रहता था। एक दिन धूप तेज़ थी। पेड़ की छाया में शेर सोया था। पास ही एक चूहा बिल में रहता था। चूहा बिल से बाहर आ निकला। वह शेर के ऊपर उछल-कूद करने लगा। शेर जाग गया। उसे बड़ा गुस्सा आया। उसने चूहे को पकड़ लिया। चूहा डर गया। शेर ने गरज कर कहा, "मैं तुम्हें मार डालूँगा।" चूहा घबरा गया। वह थरथर काँपने लगा। उसने कहा, "शेर राजा ! शेर राजा ! मुझे मत मारो। मुझ पर दया करो। मुझे छोड़ दो। मैं भी आपके काम आ सकता हूँ।" शेर ने यह सब सुना। उसने गरज कर कहा, "अरे, तू इतना छोटा। मेरी क्या सहायता करेगा।" शेर को उस पर दया आ गई। उसने चूहे को छोड़ दिया।

एक दिन चूहे ने शेर की दहाड़ सुनी। उसने सोचा, "शेर राजा संकट में है।" वह भागा और उसके पास पहुँचा। उसने देखा शेर शिकारी के जाल में फँस गया था। चूहे ने कहा, "शेर राजा, मैं आ गया हूँ। मैं तुम्हारी सहायता करूँगा।"

चूहे ने अपने तेज़ दाँतों से जाल कुतर डाला। शेर आज़ाद हो गया। वह चूहे पर बहुत खुश हुआ। उसने चूहे का धन्यवाद किया। अब वे दोनों पक्के मित्र बन गए।

अभ्यास

प्र.१ सही कथन के आगे ✓ और ग़लत के आगे का ☒ चिह्न लगाएँ:-

क) जंगल में एक शेर रहता था ।

ख) शेर पेड़ पर सोया था ।

ग) चूहा शेर के ऊपर उछल-कूद करने लगा ।

घ) एक दिन चूहे ने शेर की दहाड़ सुनी ।

ङ) चूहा शिकारी के जाल में फँस गया ।

उद्देश्य : प्रसंग-संकेत द्वारा सही वाक्यों को पहचानना ।

प्र.२ पढ़ें, समझें और लिखें :-

क) हाँ, माँ, पँच, दाँत, हूँ, आँवला, काँपना,

....

जाऊँ आऊँ आँख, आँधी, आँच ।

....

उद्देश्य : अनुनासिक शब्दों का उच्चारण और लेखन ।

टिप्पणी :- इस पाठ का उद्देश्य यह है कि बच्चों में कहानियाँ सुनने और पढ़ने के प्रति रूचि पैदा हो । छोटे-छोटे वाक्यों में कथा कहने का अभ्यास डाला जाना चाहिए ।

ख) डर, डमरू, डाक, झंडा, ठंडक,

....

खाँड, ढकना, ढोल, ढाल, मेढक

....

उद्देश्य : 'ड' और 'ढ' ध्वनियों की पहचान और लेखन ।

प्र.३ तालिका में दिए गए वर्णों से शब्द बनाएँ :-

ब	त	मत
य	ग	
म	स	
ज	ल	
प	ह	
क	र	

उद्देश्य : सार्थक शब्द बनाने का अभ्यास ।

प्र.४ सही शब्दों से वाक्य पूरे करें :-

उछल-कूद, मारो, बिल, धन्यवाद ।

क) पेड़ के पास एक चूहा .... में रहता था ।

ख) वह शेर के ऊपर .... करने लगा ।

ग) चूहे ने कहा, "मुझे मत.............. ।"

घ) शेर ने चूहे का .... किया ।

उद्देश्य : वाक्य - पूर्ति

प्र.५ पढ़ें और समझें :-

दया	=	कृपा, मेहरबानी	गुस्सा	=	क्रोध
मित्र	=	दोस्त	सहायता	=	मदद
संकट	=	कष्ट	धन्यवाद	=	शुक्रिया

उद्देश्य : शब्दों का अर्थ-परिचय ।

2. कौन अधिक बलवान ? हवा या सूर्य

बलवान, अधिक, अंत, तपना, नमस्कार

एक बार हवा और सूरज में बहस छिड़ गई । हवा ने सूरज से कहा – मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ । सूरज ने हवा से कहा– मुझमें तुमसे (ज़्यादा) ताकत है । इतने में हवा की नज़र एक आदमी पर पड़ी । हवा ने कहा – इस तरह बहस करने से कोई फ़ायदा नहीं है । जो इस आदमी का कोट उतरवा दे, वही ज़्यादा बलवान है ।

सूरज हवा की बात मान गया । उसने कहा – ठीक है । दिखाओ अपनी ताकत । हवा ने अपनी ताकत दिखानी शुरू की।

आदमी की टोपी उड़ गई । पर कोट उसने अपने दोनों हाथों से शरीर से लपेटे रखा और जल्दी–जल्दी कोट के बटन बंद कर लिए ।

हवा और ज़ोर से चलने लगी । अंत में आदमी नीचे ही गिर पड़ा । पर कोट उसके शरीर पर ही रहा । अब हवा थक गई थी । सूरज ने कहा – हवा, अब तुम मेरी ताकत देखो । सूरज तपने लगा।

आदमी ने कोट के बटन खोल दिए । सूरज की गर्मी और बढ़ी। आदमी ने कोट उतार दिया और उसे हाथ में ले कर चलने लगा ।

सूरज ने कहा–देखी मेरी ताकत ? उतरवा दिय न कोट ? हवा ने सूरज को नमस्कार किया और कहा–मान गई तुम्हारी ताकत को।

हवा की बात

- हवा को ऐसा क्यों लगा होगा कि वह सूरज से अधिक बलवान है ?
- हवा आदमी का कोट कैसे उतरवा सकती थी ? कोई तरकीब सोचो ।

गर्मी

- आदमी ने गर्मी लगने पर कोट उतार दिया । तुम गर्मी लगने पर क्या–क्या करती हो ?

  ....

  ....

  ....

किसमें कितनी ताकत

बताओ, इनमें से कौन अधिक बलवान है ? तुम्हें ऐसा क्यों लगता है ?

- सूरज या हवा ?

  मुझे लगता है कि .... अधिक बलवान है

  क्योंकि ....

- हाथी या शेर ?

  मुझे लगता है कि .... अधिक बलवान है

  क्योंकि ....

- गर्मी या सर्दी ?

  मुझे लगता है कि .... अधिक बलवान है

  क्योंकि ....

ताकत की बात

(क) हवा ने अपनी ताकत दिखाने के लिए क्या किय ?

(ख) सूरज ने अपनी ताकत दिखाने के लिए क्या किया ?

(ग) ये सब अपनी ताकत दिखाने के लिए क्या करेंगे ?

☞ पानी ☞ बादल ☞ पहाड़ ☞ सर्दी

तो क्या होता

मान लो कि हवा ने कहा – जो मिट्टी में गड़े इस तंबू को उखाड़ दे,

वह ज़्यादा ताकतवर होगा । ऐसा होता तो कहानी में आगे क्या होता ? सोचो और बताओ ।

शब्दों का खेल

| ता | ज | म | ह | ल |

यहाँ पर छह शब्द छिपे हैं –

ताज, महल, जम, हल, ताल, मल

नीचे लिखे शब्द में तुम भी इसी तरह आठ शब्द ढूँढ़ो ।

| क | म | ल | क | क | ड़ी |

एक के बदले दूसरा

☞ बलवान की जगह हम ताकतवर शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं ।

नीचे लिखे शब्दों की जगह तुम और कौन–से शब्द चुन सकती हो ?

अधिक	....	शरीर	....
फ़ायदा	....	झगड़ा	....
नमस्कार	....	सर्दी	....

3. दोस्त की मदद

माँद	सरपट	धीमी	खरोंच
तरकीब	खोल	आजमाकर	

किसी तालाब में एक कछुआ रहता था । तालाब के पास माँद में रहने वाली एक लोमड़ी से उसकी दोस्ती हो गई । एक दिन वे तालाब के किनारे गपशप कर रहे थे कि एक तेंदुआ वहाँ आया । दोनों अपने–अपने घर की ओर जान बचाकर भागे । लोमड़ी तो सरपट दौड़कर अपनी माँद में पहुँच गई पर कछुआ अपनी धीमी चाल के कारण तालाब तक नहीं पहुँच सका । तेंदुआ एक छलाँग में उस तक पहुँच गया ।

कछुए को कहीं छुपने का भी मौका न मिला । तेंदुए ने कछुए को मुँह में पकड़ा और उसे खाने के लिए एक पेड़ के नीचे चला गया लेकिन दाँतों और नाखूनों का पूरा ज़ोर लगाने पर भी कछुए के सख्त खोल पर खरोंच तक नहीं आई । लोमड़ी अपनी माँद से यह देख रही थी । उसने कछुए को बचाने की तरकीब सोची । उसने माँद से झाँककर बाहर देखा और भोलेपन के साथ बोली– तेंदुए जी, कछुए के खोल को तोड़ने का मैं आसान तरीका बताती हूँ । इसे पानी में फेंक दो । थोड़ी देर में पानी से इसका खोल नरम हो जाएगा । चाहो तो आज़माकर देख लो !

तेंदुए ने कहा – ठीक है, अभी देख लेता हूँ ! यह कहकर उसने कछुए को पानी में फेंक दिया । बस फिर क्या था, गया कछुआ पानी में !

कहानी से

- लोमड़ी ने कछुए को बचाने का क्या उपाए सोचा ?
- तेंदुए ने क्या मूर्खता की ?
- तेंदुए की इस मूर्खता से कछुए को क्या फ़ायदा हुआ ?

गपशप

- जब तेंदुआ आया तब कछुआ और लोमड़ी गपशप कर रहे थे। सोचो वे क्या बातें कर रहे होंगे ? यह तुम अपने दोस्त के साथ मिलकर सोचो ।
- सोची गई गपशप पर तुम नाटक भी कर सकते हो ।

कछुआ चाल

- कछुआ बहुत धीरे–धीरे चलता है । इसलिए जो बहुत धीरे चलता है उसके लिए हम कहते हैं –

वह कछुए की तरह चलता है ।

अब बताओ इनके लिए क्या कहेंगे–

- जो तेज़ भागता हो

  वह .... की तरह भागता है ।
- जो बहुत अच्छा तैराक हो ।

  वह .... की तरह तैरता है ।

तुम्हारी समझ से

जब तेंदुए ने कछुए को पकड़ा तब

- वह क्या सोच रहा होगा ?
- उसने उस समय किसे याद किया होगा ?

खोल जैसा सख्त ?

- बताओ कछुए के खोल जैसी सख्त चीज़ें और क्या हो सकती हैं ?
- लोमड़ी ने तेंदुए को कछुए का खोल तोड़ने का आसान तरीका बताया था । क्या तुम नारियल को तोड़ने का तरीका सुझा सकते हो ?

एक से अनेक

एक कछुआ पानी से बाहर निकल आया ।

तीन कछुए पानी से बाहर निकल आए ।

अब नीचे दिए शब्दों को बदलकर लिखो –

- एक कपड़ा — तीन ....
- एक रुपया — पंद्रह ....
- एक खंभा — चार ....
- एक पौधा — आठ ....
- एक पतीला — दो ....
- एक संतरा — दस ....

किसकी चाल

बताओ, ऐसे कौन–कौन चलता है ?

फुदक–फुदक कर	....	....
चौकड़ी भरकर	....	....
छलाँग लगाकर	....	....
रेंग – रेंग कर	....	....

मुलायम– नरम

लोमड़ी ने तेंदुए को बताया था कि पानी में फेंकने से कछुए का खोल मुलायम हो जाएगा ।

नीचे लिखी चीज़ों में से कौन–कौन सी चीज़ें पानी में फेंकने से मुलायम हो जाएँगी ? यही जगह पर लिखो ।

कागज़, लकड़ी, गिलास, रोटी,

बिस्किट, प्लेट, पत्ता, मोम, रूई, पापड़

मुलायम हो जाएँगी	मुलायम नहीं होंगी
....	....
....	....
....	....
....	....

एक और कहानी

....

एक मगरमच्छ था । वह लोमड़ी को खाना चाहता था । पर लोमड़ी थी बहुत चालाक । वह मगरमच्छ की पकड़ में ही नहीं आती थी । मगरमच्छ ने एक बार कछुए से मदद माँगी । कछुए ने कहा–लोमड़ी हमेशा नदी पर पानी पीने आती है । क्यों न तुम उसे वहीं पकड़ लो ! मगरमच्छ उस दिन नदी पर लोमड़ी का इंतज़ार करता रहा । पूरी रात काट दी । फिर पता चला कि ....

....

....

....

- कहानी को अपने मन से आगे बढ़ाओ ।
- कहानी का अपने मन से कोई नाम रखो ।

4. मेरी अम्माँ

मुखड़ा	भोजन	मनभावन
बुहारना	दुलारा	

मुखड़ा भोजन ध्यान मनभावन
इशारा दुलारा सालन बुहारना

घर में सबसे प्यारा कौन ?
मेरी अम्माँ मेरी अम्माँ ।

सूरज उगते मुझे जगाए
मेरा मुखड़ा रोज़ धुलाए
नए-नए कपड़े पहनाए,
"राजा बेटा" मुझे बुलाए ।

ऐसा और दुलारा कौन ?
मेरी अम्माँ मेरी अम्माँ ।

मेरा कमरा रोज़ बुहारे,
मेरी चीज़ें रोज़ सँवारे,
खेलूँ जब मैं नदी किनारे,
बड़े प्यार से मुझे पुकारे ।

रोके, करे इशारा कौन ?
मेरी अम्माँ मेरी अम्माँ

मुझे खिलाती मीठा भोजन,
दादा जी को चावल सालन,
भैया को दूध मनभावन,
दीदी को खीर मनभावन ।

रखती ध्यान हमारा कौन ?
मेरी अम्माँ मेरी अम्माँ ।

अभ्यास

प्र.१ पूरे करें :-

सूरज उगते ....

मेरा मुखड़ा ....

टिप्पणी :- पाठ पढ़ाने से पहले अध्यापक बच्चों को उनकी माँ के विषय में बताए और छोटे-छोटे प्रश्न पूछकर माँ के प्यार के विषय में उन्हें अवगत कराए ।

मेरा कमरा....................................

मुझे खिलाती ....

उद्देश्य : (१) वाक्य - पूर्ति ।
(२) स्मरण शक्ति का विकास ।

प्र.२ पढ़ें और समझें :-

एड़ी, एकता, एकड़, एकांत,

ऐलान, ऐसा, ऐनक, ऐरावत ।

उद्देश्य : (ए) तथा (ऐ) वर्णों के उच्चारण का अभ्यास ।

प्र.३ तालिका में दिए वर्णों से तीन शब्द बनाएँ :-

न	न	
स	र	घर
म	ए	
घ	ब	

उद्देश्य : सार्थक शब्द बनाने का अभ्यास ।

प्र.४ पढ़ें और लिखें :-

कसरत,	ख़रगोश,	गरदन,	गायक
....	....	....	....
घड़ी,	घना,	घुमाना,	घेरा
....	....	....	....

उद्‌देश्य : पढ़ने व लिखने का अभ्यास ।

प्र.५ पढ़ें और समझें :-

दुलारा = प्यारा

बुहारना = झाड़ू से साफ़ करना

सालन = पकाई हुई सब्ज़ी

मनभावन = मन को अच्छा लगने वाला

उद्‌देश्य : शब्दों का अर्थ परिचय ।

प्र.६ कविता को याद करके कक्षा में सुनाएँ ।

उद्‌देश्य : कविता की लय व ध्वनि से परिचय ।

प्र.७ पाठ में दिए गए चित्र को देखकर किन्हीं तीन वस्तुओं के नाम लिखें ।

उद्‌देश्य : वस्तुओं की पहचना ।

5. बहुत हुआ

कीचड़, बोरियत, पिंजरे मौन, सुआ, दुआ ।

बादल भइया
बहुत हुआ !
कीचड़–कीचड़
पानी पानी
याद सभी को
आई नानी
सारा घर
दिन रात चुआ
जाएँ कहाँ
कहाँ पर खेलें ?
घर में फँसे
बोरियत झेलें
ज्यों पिंजरें में
मौन सुआ
सूरज दादा
धूप खिलाएँ
ताल नदी
सड़कों से जाएँ
तुम भी भैया
करो दुआ !

बरसात

- बारिश कहने पर तुम्हारे मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं ?

  सोचो और लिखो ।

  ....

  ....

- जब बहुत बारिश होने लगती है तब तुम कहाँ खेलती हो ? कौन–कौन से खेल खेलती हो ?

  ....

  ....

  ....

- खूब तेज़ बारिश होगी तो तुम्हारे घर के आसपास कैसा दिखाई देगा ?
- बारिश में कितना पानी बरसता है ? वह सब पानी कहाँ–कहाँ जाता होगा ?
- ये सब बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे ? बताओ ।
  - – लोग
  - – कबूतर
  - – केंचुआ
  - – कुत्ता
  - – मछली
  - – मोर

बहुत हुआ !

बड़े लोग ऐसा कब कहते हैं –

- **बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो !**

  जब हम ....

- **बहुत हुआ, अब अंदर चलो !**

  जब हम ....

- **बहुत हुआ, अब सो जाओ !**

  जब हम ....

- **बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो !**

  जब हम ....

कविता से

कविता में ऐसा क्यों कहा गया होगा ?

- **तेज़ बारिश होने पर सड़कें नदी बन जाती है ।**
- **सब ओर कीचड़ होने पर नानी याद आती है ।**

अब नहीं बरसूँगा !

एक दिन बादल ने सोचा, मैं अब कभी नहीं बरसूँगा । जब मैं बरसता हूँ, तब भी लोग मेरी बुराई करते हैं । जब नहीं बरसता हूँ, तब भी मेरी बुराई करते हैं । आज से बरसना बिल्कुल बंद । फिर क्या हुआ होगा ? कहानी को आगे बढ़ाओ ।

एक चित्र कई काम

कविता के साथ जो चित्र दिया गया है, उसमें कौन क्या कर रहा है ?

एक बच्चा चित्र बना रहा है ।

दूसरा बच्चा .... रहा है ।

बिल्ली .... रही है ।

आदमी .... रहा है ।

एक बच्ची .... रही है ।

कुत्ता .... रहा है ।

तुमने देखा कि चित्र में कई काम हो रहे हैं । इन वाक्यों में जो शब्द किसी काम के बारे में बता रहे हैं उनके नीचे रेखा खींचो।

इन्हें काम वाले शब्द कहते हैं

काले मेघा पानी दे

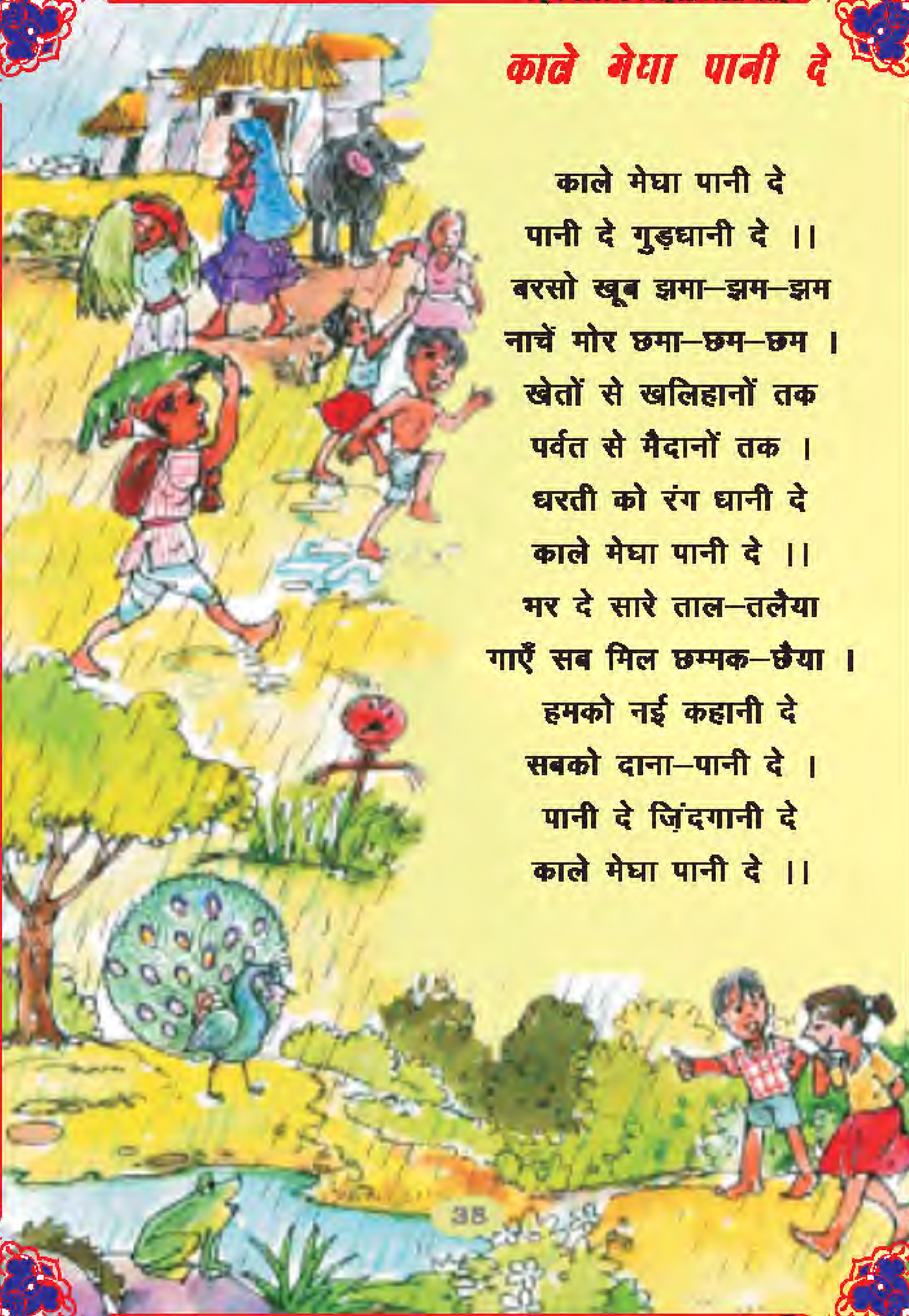

काले मेघा पानी दे
पानी दे गुड़धानी दे ।।
बरसो खूब झमा–झम–झम
नाचें मोर छमा–छम–छम ।
खेतों से खलिहानों तक
पर्वत से मैदानों तक ।
धरती को रंग धानी दे
काले मेघा पानी दे ।।
भर दे सारे ताल–तलैया
गाएँ सब मिल छम्मक–छैया ।
हमको नई कहानी दे
सबको दाना–पानी दे ।
पानी दे ज़िंदगानी दे
काले मेघा पानी दे ।।

सावन का गीत

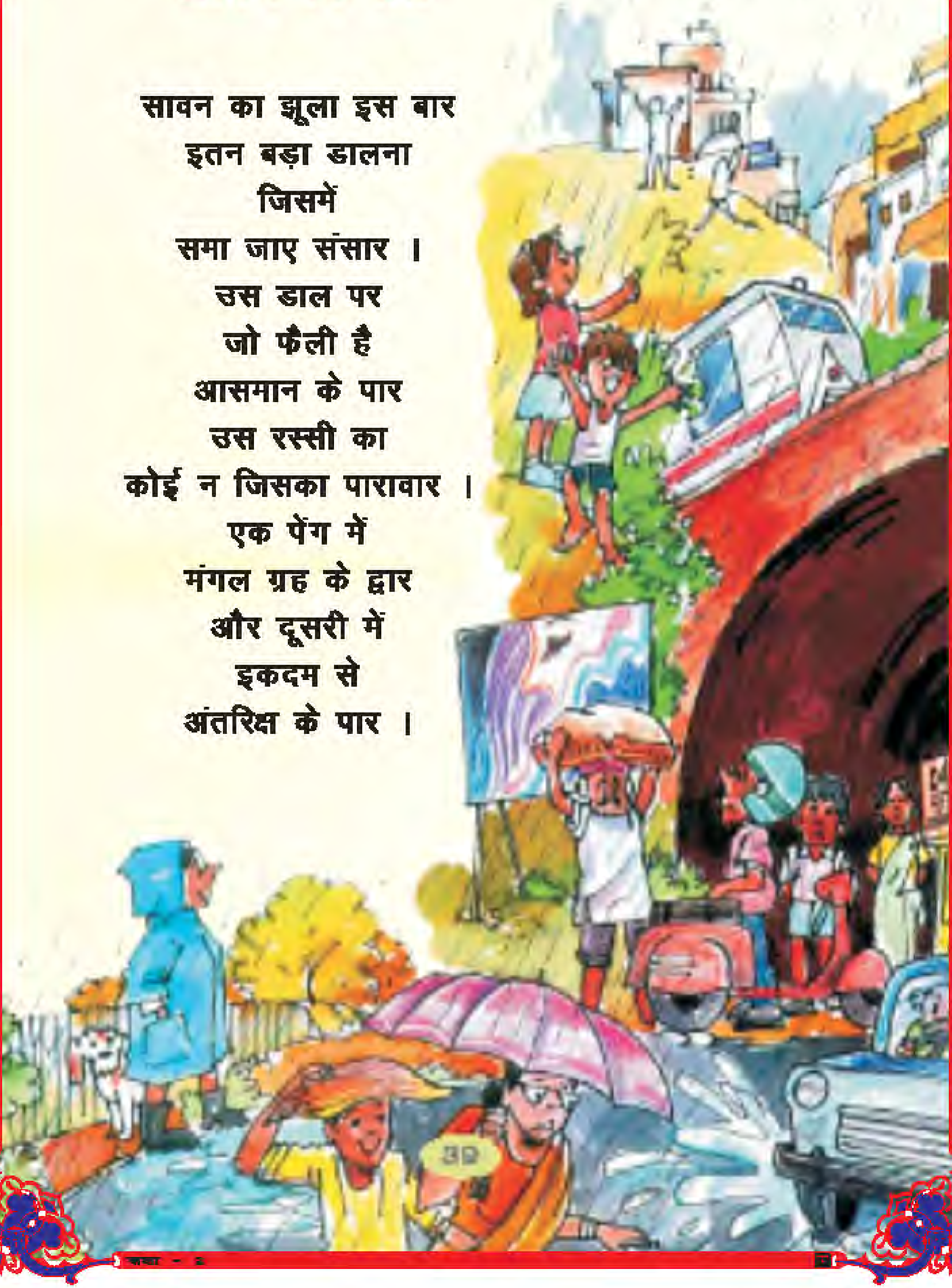

सावन का झूला इस बार
इतन बड़ा डालना
जिसमें
समा जाए संसार ।
उस डाल पर
जो फैली है
आसमान के पार
उस रस्सी का
कोई न जिसका पारावार ।
एक पेंग में
मंगल ग्रह के द्वार
और दूसरी में
इकदम से
अंतरिक्ष के पार ।

6. तितली और कली

डार	नन्हीं	सुन्दर	संग
महक	छिटककर	रंगीली	

हार डार पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली ।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली ।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो ।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली गली ।

कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात ।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली ।

कविता से

- तितली कली के पास क्यों गई थी ?
- तितली और कली ने क्या खेल खेला ?
- तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई ?

अंदाज़ा लगाओ

- तितली कली के पास कब गई होगी ?

  सुबह ☐ दोपहर ☐ शाम ☐

- तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया ?

दो–दो बार

गली–गली का मतलब है सारी गलियाँ ।
कली–कली का मतलब है सारी कलियाँ ।

अब नीचे लिखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाओ–

घड़ी–घड़ी	जगह–जगह
घर–घर	डाल–डाल

मिलते–जुलते शब्द

- कविता में से वे शब्द ढूँढ़ो जो सुनने में कली जैसे लगते हैं। जैसे–कली, मली
- नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो ।

बोलो	तितली	डाल
....	....	....
....	....	....
....	....	....

महके सारी गली–गली

- महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी ।

  अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे ....

  बुरी लगने वाली महक को कहेंगे ....

- ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है ।

पसंद है	पसंद नहीं है
....	....
....	....
....	....
....	....

- तुम्हारे आसपास ऐसे कौन–कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है ?

  फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो ।

- तुम्हारे घर में किस–किस तरह की महक आती है ?

  (जैसे– साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)

तुम्हारी बात

खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी । तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगी और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगी ? क्यों ?

जागेंगे	नहीं जागेंगे
....	....
....	....
....	....
....	....

रंग–बिरंगी

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है । नीचे लिखी चीज़ें किन–किन रंगों की हो सकती हैं ?

.... तितली	..............................सूरजमुखी
..............................बैंगन	.... लड्डू
.... पेंसिल	..............................प्याला
..............................कुर्ता	..............................साग
..............................संतरा	..............................मिट्टी

7. कौन

दिशा	चमकाता	निर्मल	पर्वत
झरने	हरियाली	इन्द्रधनुष	

अगर न होता चाँद रात में
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर न होता सूरज दिन को,
सोने-सा चमकाता कौन ?

अगर न होती निर्मल नदियाँ,
जग की प्यास बुझाता कौन ?
अगर न होते ऊँचे पर्वत,
झरने भला बहाता कौन ?

अगर न होते पेड़ और पोधे,
हरियाली फैलाता कौन ?
अगर न होतीं फूल और कलियाँ,
खिल-खिल कर मुसकाता कौन ?

अगर न होते बादल नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?
अगर न होते हम तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?

अभ्यास

प्र.१ पढ़ें, समझें और लिखें :-

(क)	को,	जो,	धोबी,	शोर,	लोग,	रोको,
	....	....	....	....	....	....
	लौ,	जौ,	कौन,	दौड़,	लौट,	यौवन ।
	....	....	....	....	....	....

टिप्पणी :- कविता की हर दो पंक्तियों में एक प्रश्न भी है और उसका उत्तर भी । अध्यापक को चाहिए कि पंक्तियों का एक जोड़ा पढ़ाकर बार-बार बच्चों से दोहराने को कहें । फिर 'कौन?' का उत्तर उनसे मांगे । बच्चे 'कोई नहीं' कहने की स्थिति में खुद ही आएँगे ।

(ख)	कोन	-	कौन	....	....
	गोरी	-	गौरी	....	....
	ओर	-	और	....	....
	लो	-	लौ	....	....
	जो	-	जौ	....	....
	सो	-	सौ	....	....

उद्देश्य : (१) 'ओ' और 'ओ' ध्वनियों की पहचना ।
(२) 'ओ' और 'औ' ध्वनियों का व्यतिरेक ।

प्र.२ पूरा करें :-

(क) अगर न होता ....रात में
हमको दिशा .... कौन ?

(ख) अगर न होते .... पर्वत
झरने भला .... कौन ?

उद्देश्य : स्मरण-शक्ति का विकास ।

प्र.३ पढ़ें और समझें :-

नल,	नग़द,	नाना,	नानी,	निकलना,	नियम,	निडर,
नीम,	नुकीला,	नूतन,	नेका,	नैया,	नैन,	नोट
नौकर,	नंदन,	नंगा				

उद्‌देश्य :- (१) 'न' वर्ण का विभिन्न मात्राओं के साथ प्रयोग ।
(२) शब्दावली का विकास ।

प्र.४ तालिका से शब्द बनाएँ और लिखें :-

क	ख	ग
दिखा		दिखाता
चमका		
बुझा	ता	
बहा		
मुसका		
उठा		

उद्‌देश्य : शब्द ज्ञान बढ़ाना ।

प्र.५ पढ़ें और लिखें :-

अगर न होते बादल नभ में, इंद्र-धनुष रच पाता कौन ?

उद्‌देश्य : पढ़ने व लिखने का अभ्यास ।

प्र.६ पढ़ें और लिखें :-

(क)		(ख)	
झील	....	धड़कन	....
निर्झर	....	बधाई	....
साँझ	....	पौधा	....

ग) पर्वत		(घ) चाँद	
निर्मल		आँख	
शर्मा		पाँच	
निर्बल		साँप	
वर्णन		अम्माँ	

उद्‌देश्य : (१) झ, ध से बनने वाले शब्दों का अभ्यास ।

(२) रेफ (ॅ) के प्रयोग का अभ्यास ।

(३) अनुनासिक शब्दों का अभ्यास ।

प्र.७ कविता को याद करके कक्षा में सुनाएँ ।

उद्‌देश्य : कविता की लय और ध्वनि से परिचित कराना ।

८. बुलबुल

सरल	कलगी	बरगद
पीपल	अमरूद	

क्या तुमने कभी बुलबुल देखी है ?बुलबुल को पहचानने का एक सरल तरीका है । यदि तुम्हें कोई चिड़िया तेज़ आवाज़ में बोलती हुई मिले तो उसकी पूँछ को देखो । यदि पूँछ के नीचे वाल जगह लाल हो तो समझो, वह चिड़िया बुलबुल है ।

जब वह उड़े तो पूँछ का सिरा भी ध्यान से देखना । बुलबुल की पूँछ के सिरे का रंग सफ़ेद होता है । उसका बाकी शरीर भूरा और सिर का रंग काला होता है ।

बुलबुल ऊँची आवाज़ में बोलती है । बुलबुल को हम लोगों से कोई डर नहीं लगता । तुम्हें शायद एक बुलबुल ऐसी भी मिले जिसके सिर पर काले रंग की कलगी हो । उसे सिपाही बुलबुल कहते हैं ।

बुलबुल पीपल या बरगद के पेड़ पर कीड़े ढूँढ कर खाती है । वह

हमारी तरह सब्ज़ी और फल भी खाती है । अमरूद के बगीचे या मटर के खेत पर बुलबुल काफ़ी ज़ोर से हमला करती है ।

वह अपना घोंसला सूखी हुई घास और छोटे पौधों की पतली जड़ों से बुनती है । घोंसला अंदर से एक सुंदर कटोरे जैसा दिखता है ।

बुलबुल एक बार में दो या तीन अंडे देती है । उसके अंडे हल्के गुलाबी रंग के होते हैं । तुम उन्हें ध्यान से देखो तो तुम्हें उन पर कुछ लाल, कुछ भूरी और कुछ बैंगनी बिंदियाँ दिखाई देंगी ।

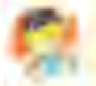

पहचानो

इनमें से बुलबुल कौन है ?उसके चित्र के ऊपर गोला लगाओ ।

तुमने बुलबुल को कैसे पहचाना ?

मैंने बुलबुल को पहचाना ....

....

....

सिपाही बुलबुल

- सिपाही बुलबुल के सिर पर काले रंग की कलगी होती है । ऐसे कुछ और पक्षियों के नाम सोचो जिनके सिर पर कलगी होती है। बताओ उनकी कलगी का रंग क्या होता है ?

पक्षी	कलगी का रंग
....	....
....	....

- कलगी वाली बुलबुल को सिपाही बुलबुल क्यों कहते होंगे ?
- पाठ में बुलबुल के बारे में बहुत सी बातें बताई गई हैं । उनमें से कोई तीन बातें लिखो ।

....

....

....

बुलबुल और तुम

- बुलबुल अपना घर घास और जड़ों से बनती है । तुम्हारा घर किन चीज़ों से बना है ?पता करो ।
- बुलबुल क्या खाना पसंद करती है ?तुम्हें क्या–क्या पसंद है ?
- बुलबुल ऊँची आवाज़ में बोलती है ।

  तुममें से कौन–कौन ऊँची आवाज़ में बोलता है ? कब–कब ?

नाम	कब–कब
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

हमें पहचानो

- मैं काली हूँ । मीठा गाना गाती हूँ । ....
- मैं हरा हूँ । लाल मेरी चोंच है ।
  हरी मिर्च खाता हूँ । ....
- सूप जैसे कान हैं । मोटे–मोटे पाँव हैं ।
  लंबे–लंबे दाँत हैं । ....
- सिर पर ताज है । दुम पर पैसा है ।
  बादल देखकर नाचता हूँ । ....
- घरों में आता हूँ ।
  सारी चीज़ें कुतर जाता हूँ । ....

कविता लिखो

बुलबुल या किसी और पक्षी पर कविता लिखो । तुम अपनी सहेलियों या दोस्तों के साथ मिलकर भी कविता लिख सकते हो ।

....

....

....

....

....

एक नाम

बुलबुल, तोता, चिड़िया, कबूतर पक्षी कहलाते हैं ।

नीचे लिखी चीज़ों को क्या कहते हैं ? लिखो ।

	नाम
गोमी, आलू, भिंडी	....
संतरा, केला, सेब	....
गाय, हाथी, कुत्ता	....
मूँग, चना, अरहर	....

9. मीठी सारंगी

दंग	आनंद	झुँझलाया
छेद	खाक	मिठास

एक गाँव में एक सारंगी वाला आया । वह सारंगी बहुत अच्छी बजाता था । रात में जब उसने सारंगी बजाना शुरू किया तब गाँव के बहुत से लोग इकट्ठे हो गए । सारंगी की मीठी आवाज़ और सारंगीवाले के बजाने की कला से गाँव के लोग दंग रह गए । सब लोग कहने लगे– कैसी मीठी सारंगी है !

अहा ! कितना आनंद आ रहा है ।

वहीं पास में बैठा हुआ भोला भी लोगों की ये बातें सुन रहा था । वह मन ही मन कहने लगा–इन लोगों को सारंगी बहुत मीठी लगी लेकिन मेरा तो मुँह मीठा हुआ ही नहीं ।

ये सब झूठे हैं ।

थोड़ी देर बाद उसने सोचा कि शायद सारंगी वाले के पास बैठने से मुँह मीठा हो जाए । इसलिए वह सारंगी वाले के पास जाकर बैठ गया ।

रात के तीन–चार बजे जब सारंगी वाले ने गाना–बजाना बंद कर दिया तब लोगों ने सारंगी वाले से कहा – महाराज ! आपकी सारंगी बहुत ही मीठी है । हमें बड़ा ही आनंद आया । दो–चार दिन यहीं ठहरिए ।

ये बातें सुनकर भोला मन ही मन झुँझलाया और सोचने लगा – ये लोग झूठ तो नहीं बोल सकते । सारंगी मीठी जरूर है पर मुझे न जाने स्वाद क्यों नहीं आया ।

तब तक रात ज़्यादा हो गई थी । इस कारण लोग घर नहीं गए । वहीं चौपाल में सो गए । सारंगी वाले ने भी सारंगी पर खोली चढ़ाई और उसे अपने सिरहान रख कर सो गया । पर भोला को चैन कहाँ था ?जब लोग नींद में खर्राटे लेने लगे तब उसने चुपके से उठकर वह सारंगी उठा ली और ऊपर का खोल उतार कर उसे जीभ से चाटा । कुछ स्वाद नहीं आया । अब उसने सारंगी को खूब हिलाया । उसके छेद को मुँह के पास लगाकर

मुँह में उँड़ेला । पर सारंगी से एक भी मीठी बूँद नहीं निकली । वह लोगों की बेवकूफ़ी पर बहुत ही झुँझलाया । अब की बार उसने सारंगी को गाँव से बाहर दूर ले जाकर फेंक दिया । वह लोगों की बेवकूफ़ी पर हँसता हुआ अपनी जगह पर आकर चुपचाप सो गया ।

सवेरा होने पर जब सारंगी अपनी जगह पर नहीं मिली तो सब लोग और सारंगी वाला बड़े दुखी हुए । लोग कहने लगे–बड़ी मीठी सारंगी थी । पता नहीं कौन ले गया । भोला इस बात को न सुन सका और गुस्से से बोला– क्या खाक मीठी थी ! मैंने तो उसे अच्छी तरह चाटा था । उसमें ज़रा भी मिठास नहीं थी । तुम सब लोग झूठे हो और बाबाजी की खुशामद करते हो ।

लोगों ने पूछा – पर सारंगी है कहाँ ? उसने कहा – गाँव के बाहर पड़ी है । लोगों ने भोला की बेवकूफ़ी पर सिर पीट लिया ।

सारंगी की मिठास

- गाँव वाले कहते थे – कैसी मीठी सारंगी है ।

  इसका क्या मतलब है ?सही बात पर (✓) निशान लगाओ ।

  सारंगी चखने पर मीठी थी ।

  सारंगी से निकलने वाली आवाज़ सुनने में अच्छी लगती थी ।

  सारंगी के आस–पास मधुमक्खियाँ भिनभिना रही थीं ।

- अब तुम समझ गए होगे कि गाँव वाले सारंगी को मीठी क्यों कहते थे। अब बताओ कड़वी बात का क्या मतलब होगा ?

कहानी से

- भोला ने क्यों सोचा कि सभी झूठ बोल रहे हैं ?
- भोला को सारंगी का स्वाद क्यों नहीं आया ?
- भोला ने किस–किस तरह से यह जानने की कोशिश की कि सारंगी मीठी है ?

खोल

सारंगी वाले ने सारंगी पर खोल चढ़ाया और अपने सिरहाने रखकर सो गया ।

- सारंगी वाले ने अपनी सारंगी पर खोल क्यों चढ़ाया होगा ?
- और किन–किन चीज़ों पर खोल चढ़ाया जाता है ?

गाओ–बजाओ

सारंगी, ढोलक, इकतारा, तबला, बाँसुरी,
शहनाई, डफली, सितार, गिटार, हारमोनियम

- ऊपर संगीत के बाजों के नाम लिखे हैं । इनमें से कुछ तार छेड़ कर बजाए जाते हैं और कुछ हाथ से थाप दे कर । इनके नाम सही जगह पर लिखो ।

तार वाले	थाप वाले	अन्य
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

कुछ नाम बच भी गए होंगे । उन्हें अन्य के नीचे लिखो ।

- ऊपर लिखे बाजों को जगह–जगह पर बजाया जाता है । सोच कर लिखो इन जगहों पर क्या–क्या बजाया जाता है –

रेलगाड़ी या बस में ....

घर पर किसी अवसर पर ....

भजन–कीर्तन में ....

स्कूल में किसी अवसर पर ....

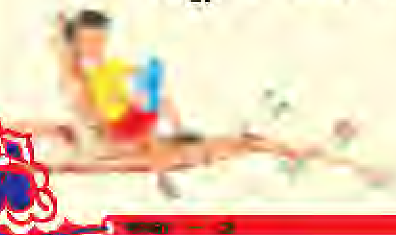

चटखारे

- इस कहानी में मिठास की बात है । तुम्हें कौन–कौन सी मीठी चीज़ें अच्छी लगती हैं ?
- क्या खाने की चीज़ें सिर्फ़ मीठी ही होती हैं ?मीठे के अलावा उनका और क्या–क्या स्वाद होता है ?
- अब नीचे लिखी खाने–पीने की चीज़ों को स्वाद के हिसाब से लगाओ–

आम, मिर्च का अचार, जलज़ीरा, नींबू, शहद, चीनी, नमक, दूध, आँवला, करेला, अदरक

....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

तुम इस तालिका में कुछ नाम अपने मन से भी जोड़ सकते हो ।

- नीचे लिखे शब्दों को बोलकर देखो –

बाँसुरी बंसी हँस हंस

- अब नीचे दिए गए शब्दों में (ँ) या (ं) लगाओ–

चाद	चदन
मगलवार	मागना
सुदर	साप

झासी	झझट
ककड़	कापना
अधा	आधी

10. जम्मू

कमीज़	किला	कीमत
कश्मीर	दुश्मन	चश्मा

हमारे राज्य का नाम जम्मू-कश्मीर है। जम्मू हमारे राज्य का एक बड़ा शहर है। यह शहर तवी नदी के दोनों किनारों पर बसा है। इसे राजा जाम्बूलोचन ने बसाया था। जम्मू में बहुत से मंदिर हैं। जम्मू को मंदिरों वाला शहर भी कहते हैं। रघुनाथ मंदिर यहाँ का मशहूर मंदिर है। इस शहर में कई मस्जिदें हैं। पीरबाबा मशहूर दरगाह है। बहुत से गुरुद्वारे हैं। बहुत से गिरजाघर भी हैं। लोग मिलजुल कर रहते हैं।

जम्मू में राजाओं के पुराने महल हैं। तवी के किनारे पर "बाहू का क़िला" है। इसे राजा बाहूलोचन ने बनवाया था। क़िले में कालीमाता का मंदिर है। क़िले के बाहर एक सुंदर बाग़ है। इसे "बाग़े-बाहू" कहते हैं।

जम्मू में एक नहर बहती है। इसका नाम 'रणवीर नहर' है। नहर का पानी बहुत ठंडा है।

अभ्यास

प्र.१ पढ़ें, समझें और लिखें :-

क - कमीज़, क़िला, क़ीमत ।

....

श्म - कश्मीर, दुश्मन, चश्मा ।

....

ट्ट - मिट्टी, चिट्ठी, लट्ठा ।

....

श्र - श्रीमान्, आश्रम, मित्र ।

....

उद्देश्य : (१) आगत ध्वनि 'क़' का सही उच्चारण व लेखन ।
(२) व्यंजन-युग्म 'श्म', 'ट्ट' और 'श्र' का प्रयोग ।

टिप्पणी :- (क) जम्मू शहर के बारे में कुछ बातें बताई गई हैं । इनके अतिरिक्त बच्चों को कुछ और बातें भी बताई जा सकती हैं ।

(ख) 'द्वार' शब्द को 'द्वार' के रूप में भी लिखते हैं । 'गुरुद्वारा' शब्द को 'गुरुद्वारा' के रूप में भी लिखते हैं ।

प्र.२ पढ़ें और लिखें :-

(क) जम्मू शहर तवी के किनारे बसा है ।

....

(ख) श्रीनगर शहर झेलम के किनारे बसा है ।

....

(ग) आगरा शहर यमुना के किनारे बसा है ।

....

(घ) काशी शहर गंगा के किनारे बसा है ।

....

(ङ) दिल्ली शहर यमुना के किनारे बसा है ।

....

उद्देश्य : पठन व अनुलेखन का अभ्यास ।

प्र.३ पढ़ें और लिखें :-

लड्डू,	लता,	लाख,	लाभ,	लिखना,
....	....	....	....	....
लीची,	लूटना,	लुटाना,	लुटिया,	लेप,
....	....	....	....	....
लैला,	लोभ,	लौटना,	लंगड़ा,	लंबा ।
....	....	....	....	....

उद्देश्य : 'ल' वर्ण के साथ विभिन्न मात्राओं का प्रयोग ।

प्र.४ सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करें :-

शहर, बाहू, दरगाह, कालीमाता ।

(क) जम्मू हमारे राज्य का बड़ा .... है ।
(ख) पीरबाबा जम्मू की मशहूर .... है ।
(ग) तवी के किनारे .... का किला है ।
(घ) बाहू के किले में .... का मंदिर है ।

उद्देश्य : उपर्युक्त वाक्य-पूर्ति ।

प्र.५ पढ़ें, समझें और लिखें :-

मंदिर – मंदिरों में
महल – ....
शहर – ....
बाग़ – ....

उद्देश्य : शब्दों का वचन ज्ञान ।

प्र.६ पढ़ें और लिखें :-

(क) कण............. कारण.............. शरण..............
बाण............ रामायण............ रणवीर.............
(ख) जम्मू............ अम्माँ............... निकम्मा ....
उम्मीद .... सम्मान .... मरम्मत ....

(ग) द्‌वारा .... विद्‌या .... पद्‌मा................
विद्‌वान .... प्रसिद्‌ध .... शुद्‌ध ....

(घ) कश्मीर .... श्वेत .... किश्ती ....

उद्‌देश्य : (१) 'ण' अक्षर का प्रयोग ।
(२) व्यंजन युग्मों का अभ्यास ।

प्र.७ तालिका में दिए शब्दों और वाक्यांशों से सही वाक्य बनाकर लिखें :-

		मंदिर हैं ।
जम्मू में	बहुत से	गुरुद्‌वारे हैं ।
	बहुत सी	गिरजाघर हैं ।
		दरगाहें हैं ।
		मस्जिदें हैं ।

....
....
....
....
....
....

उद्‌देश्य : वाक्य-रचना का अभ्यास ।

प्र.८ पढ़ें और समझें :-

क़िला = ऊँची दीवारों वाला लंबा चौड़ा भवन, जिसमें राजा अपनी सेना के साथ रहता था ।

दरगाह = किसी संत-सूफी का मक़बरा ।

उद्‌देश्य : शब्दों का अर्थ - परिचय ।

11. टेसू राजा बीच बाज़ार

कंबल झुंड लत्ते

टेसू राजा बीच बाज़ार,
खड़े हुए ले रहे अनार ।

इस अनार में कितने दाने ?
जितने हों कंबल में खाने ।

कितने हैं कंबल में खाने ?
भेड़ भला क्यूँ लगी बताने ।

एक झुंड में भेड़ें कितनी ?
एक पेड़ पर पत्ती जितनी ।

एक पेड़ पर कितने पत्ते ?
जितने गोपी के घर लत्ते ।

गोपी के घर लत्ते कितने ?
कलकत्ते में कुत्ते जितने ।

बीस लाख तेईस हज़ार,
दाने वाला एक अनार ।

टेसू राजा कहें पुकार,
लाओ मुझको दे दो चार ।

गिनत–अनगिनत

कुछ चीज़ें ऐसी होती हैं जिन्हें गिना जा सकता है और कुछ चीज़ों को नहीं ।

जिन चीज़ों को गिन सकती हो उनके आगे हाँ लिखो ।

जिन्हें नहीं गिन सकती हो उनके आगे नहीं लिखो ।

कंबल के खाने	पेड़ के पत्ते ....
सिर के बाल.....................	आसमान के तारे ....
घर के लोग	कॉपी के पन्ने ....
चींटी के पैर	अपने कपड़े ....
कमीज़ के बटन	स्कूल के बच्चे ....

कवि बन जाओ तुम

★ नीचे दी गई कविता को ध्यान से पढ़ो –

एक पेड़ पर कितने पत्ते ?
जितने गोपी के घर लत्ते ।
गोपी के घर लत्ते कितने ?
कलकत्ते में कुत्ते जितने ।

अब तुम कविता को आगे बढ़ा कर लिखने की कोशिश करो ।

....

....

तुम्हारा अंदाज़ा

बीस लाख तेईस हज़ार
दाने वाला एक अनार ।

क्या सचमुच अनार **में इतने दाने होते हैं ?**

अंदाज़े से बताओ –

* एक अनार में **कितने दाने होते होंगे ?**
* एक मटर में **कितने दाने होते होंगे ?**
* एक भु में कित**ने दाने होते होंगे ?**
* एक मूँगफली **में कितने दाने होते होंगे ?**
* मौका मिलने **पर ज़रूर जाँच करना कि तुम्हारा अंदाज़ा कितना** सही था ।

हाट – बाज़ार

(क) टेसू राजा बाज़ार **अनार लेने गए थे ।**

* तुम बाज़ार **क्या–क्या लेने जाती हो ?**
* बाज़ार **कैसे जाती हो ?**
* उस बाज़ार **का क्या नाम है ?**
* अपने घ**र के पास के कुछ और बाज़ारों के नाम पता करो ।**

(ख) बाज़ार अलग–**अलग तरह के होते हैं ।**

जैसे– मंडी, **हाट, सोम, बाज़ार, मॉल पैंठ, किनारी बाज़ार आदि ।**

कक्षा में बात **करो कि इन सब बाज़ारों में क्या अंतर है । तुम्हारे घर** के पास में कि**स तरह के बाज़ार हैं ।**

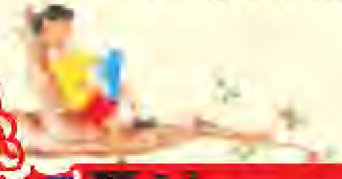

फेर–बदल

जितने हों कंबल में खाने ।

इस वाक्य को इस तरह भी लिख सकते हैं

कंबल में जितने खाने हों ।

इसी तरह नीचे लिखे वाक्यों को बदलकर लिखो –

* कितने हैं कंबल में खाने ?

  ....

* एक झुंड में भेड़ें कितनी

  ....

* टेसू राजा कहे पुकार, लाओ मुझको दे दो चार ।

  ....

* फूलों से बनाओ होली के रंग

  ....

किसके नाम

टेसू राजा बीच बाज़ार,
खड़े हुए ले रहे अनार

अनार, आम, अमरूद, पपीता– ये सब फलों के नाम हैं ।

बताओ ये सब किसके नाम हैं ?

कोलकाता, दिल्ली, भोपाल ....

भेड़, बकरी, हाथी ....

कमीज़, कुरता, साड़ी ....

मोर, कबूतर, उल्लू ....

आलू, बैंगन, भिंडी ....

बाज़ार–बाजा

इन शब्दों को बोलकर देखो । ज़ा और जा बोलने में अलग–अलग लगते हैं न! नीचे ऐसे कुछ और शब्द दिए गए हैं । उन्हें बोलो और खोजो कि अक्षर के नीचे बिंदु होने और न होने से आवाज़ में क्या फर्क पड़ता है ।

दो–दो शब्द खुद जोड़ो ।

जाड़ा	ज़मीन
गाजर	ज़िद
....	....
....	....

टेसू

टेसूरा टेसूरा घंटार बजाइयो
नौ नगरी, दस गाँव बसाइयो
बस गए तीतर, बस गए मोर
बूढ़ी डुकरिया लै गए चोर
चोरन के घर खेती भई
खाय डुकरिया मोटी भई
मोटी हैके पीहर गई
पीहर में मिले भाई भौजाई
सबने मिलकै दई बधाई

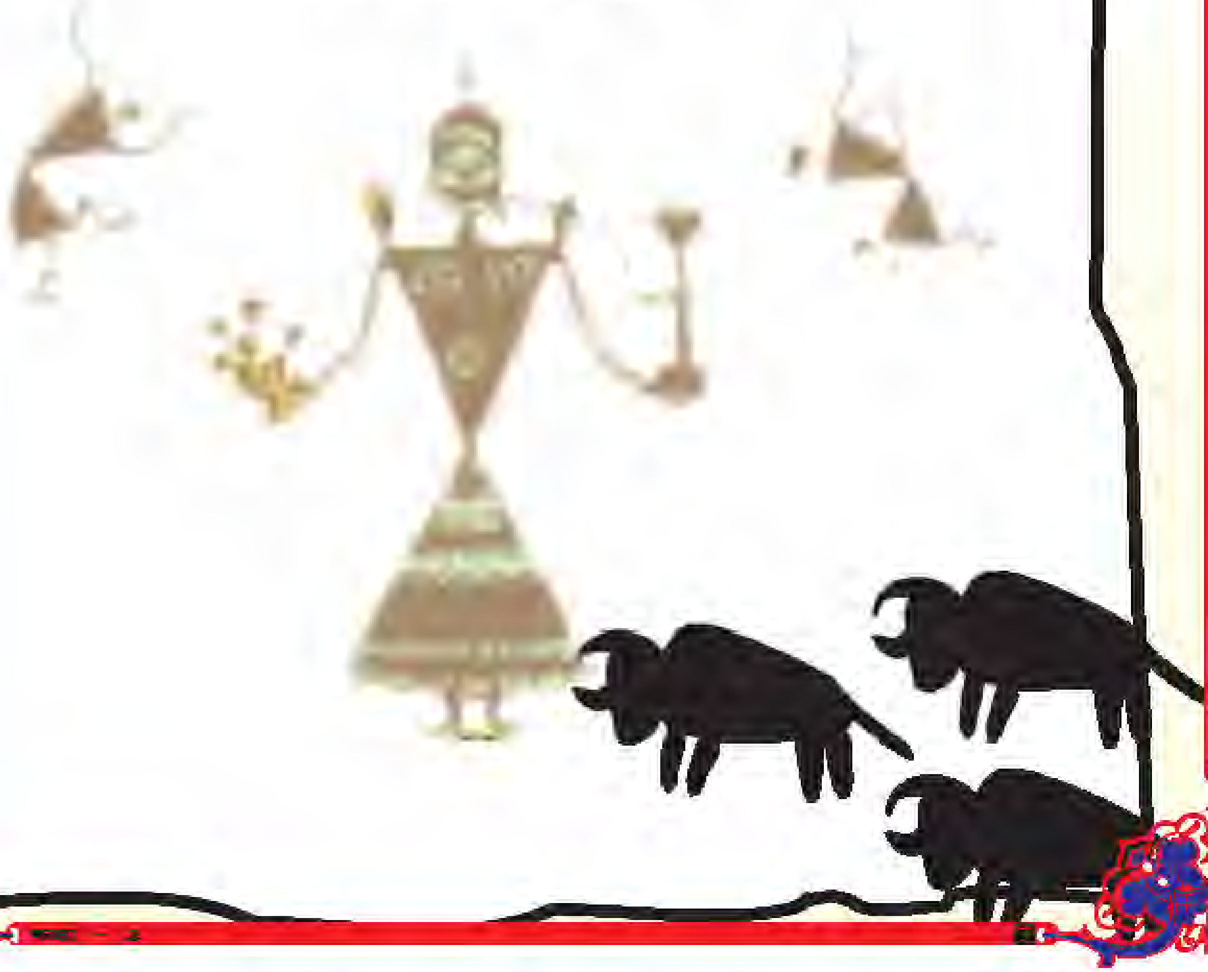

टेसू एक प्रसिद्ध उत्सव और खेल है । यह दशहरे के दिनों में मनाया जाता है । इस त्यौहार में लड़कों की टोली टेसू लेकर घर–घर जाती है और गाती है –

टेसू आए घर के द्वार
खोलो रानी चंदन किवार ....

बाँस की तीन खप्पच्चियों को बीच से बाँध कर डमरू जैसे आकार में टेसू बनाया जाता है । इस आकृति के एक छोर की खप्पच्चियों पर टेसू का सिर तथा हाथ मिट्टी से बनाए जाते हैं जबकि दूसरे छोर पर तीन पैर बनाए जाते हैं । मिट्टी सूख जाने पर रंग से कान, नाक, आँख, मुँह तथा हाथ–पैरों की उँगलियाँ बनाई जाती हैं । हाथों पर या खप्पच्चियों के जोड़ पर दीया जलाया जाता है । टेसू बाज़ार में बना हुआ भी मिलता है ।

लोगों का टेसू के प्रति व्यवहार अलग–अलग होता है । कुछ लोग अच्छी तरह स्वागत करते हैं तो कुछ लोग दरवाज़ा ही नहीं खोलते पर टेसू की फ़ौज यानी लड़कों की टोली, डटी रहती है । टोली के सदस्य बारी–बारी से गीत गाते हैं । फिर भी अगर कोई दरवाज़ा न खोले तो अगले दिन आने का वादा करके आगे बढ़ जाते हैं । टेसू की फ़ौज अधिक कुछ नहीं माँगती–बस थोड़ा सा अनाज, पैसे दीपक में जलाने के लिए तेल ।

यह त्यौहर पाँच दिन तक चलता है ।

शिक्षक टेसू के बारे में बच्चों के साथ बातचीत करें । बच्चों से घरों में गाए जाने वाले लोकगीत भी सुने जा सकते हैं ।

12. बस के नीचे बाघ

बाघ	भीतर	अजीब
दुबक	सीढ़ी	

किसी जंगल में एक छोटा बाघ खेल रहा था । खेलते–खेलते वह जंगल के पास वाली सड़क पर निकल आया । सड़क पर एक बस खड़ी थी।

छोटे बाघ ने देखा कि बस का दरवाज़ा खुला है । बाघ अपने अगले पंजे बस की सीढ़ी पर रखकर बस के भीतर देखने लगा ।

उसने देखा कि बस के भीतर आगे की तरफ़ से घर्र–घर्र की आवाज़ आ रही है और उसके पास एक आदमी बैठा है । छोटे बाघ ने यह भी देखा

कि उस आदमी के सामने एक दीवार–सी है । लेकिन यह दीवार कुछ अजीब थी । इस दीवार में से बाहर की हर चीज़ साफ़–साफ़ दिखाई दे रही थी ।

बाघ ने अपना सिर दाहिनी तरफ़ मोड़ा । उसने देखा कि बस में कई लोग बैठे हैं । आगे वाली सीट पर दो छोटी लड़कियाँ बैठी थीं ।

अचानक छोटे बाघ को लगा कि लोग उससे डर रहे हैं और उसे भगाना चाहते हैं । तभी सामने की सीट पर बैठा आदमी उठा और अपनी दाहिनी ओर वाला दरवाज़ा खोलकर बाहर कूद गया ।

बस के बाकी लोग भी तेज़ी से पीछे वाले दरवाज़े की तरफ़ भागने लगे।

लोगों को भागते देखकर छोटा बाघ कुछ घबराया । वह सीढ़ी से उतरा और बस के नीचे घुस गया । नीचे पहुँचकर वह बस के आगे वाले पहिए के पास जाकर दुबक गया ।

लेकिन वहाँ उसे अच्छा नहीं लगा । वह फिर से बस के भीतर जाना चाहता था । थोड़ी देर बाद वह बाहर निकला और बस की सीढ़ी पर पंजे रखकर भीतर चला गया । वह सामने वाली सीट पर बैठकर बाहर देखने लगा । सामने से एक बस आ रही थी । उसमें बहुत सारे लोग बैठे थे उन्हें देखकर छोटा बाघ सोचने लगा कि उसकी बस के लोग क्यों भाग गए ।

ऐसा क्यों ?

- बस के नीचे पहुँचकर छोटे बाघ को अच्छा क्यों नहीं लगा ?
- क्या तुमने कभी किसी बस या जीप से नीचे झाँककर देखा है ?तुम्हें वहाँ क्या दिखाई दिया ?
- बस के अगले हिस्से से घर्र–घर्र की आवाज़ क्यों आ रही थी ?
- बस में ज़्यादातर लोग दायीं तरफ़ क्यों बैठे थे ?
- बस में इतने सारे लोग बैठे थे पर बाघ पर ध्यान दो छोटी लड़कियों पर ही गया । क्यों ?

तो क्या होता

अगर बाघ बस की छत पर चढ़ जाता तो

- उसे दुनिया कैसी दिखाई देती ?
- आसपास के लोग क्या करते ?

करके बताओ

बाघ दुबक कर बैठ गया था । करके बताओ, नीचे लिखे काम वह कैसे करेगा ?

दुबकना	कीचड़ में चलना
काँपना	दूध पीना
लड़खड़ाना	नहाना
सोना	दवाई खाना

क्या समझे ?

सामने की सीट पर बैठा आदमी उठा और अपनी दाहिनी ओर वाला दरवाज़ा खोलकर बाहर कूद गया ।

- यह व्यक्ति कौन था ?
- बस में कितने दरवाज़े थे ?
- आगे क्या हुआ होगा ?कहानी सुनाओ ।

डर–निडर

(क) बस में बैठे लोग बाघ के बच्चे से डर रहे थे । बाघ भी उन लोगों से डर रहा था ।

सोचो, इन्हें कैसा लगता होगा जब कोई इनसे डर जाता है –

- छिपकली
- कुत्ता
- चूहा
- साँप

(ख) बाघ डरकर बस के नीचे दुबक गया । तुम डर लगने पर क्या करते हो ?कहाँ दुबकते हो ?

(ग) बाघ से सब डरते हैं, पर इस कहानी में लोग बाघ के बच्चे से भी डर गए ? ऐसा क्यों हुआ ?

अनोखी दीवार

बस के सामने वाली दीवार अलग तरह की थी । उसके आर–पार देख जा सकता था ।

- वह दीवार क्या थी ?
- किन–किन चीज़ों के आर–पार देखा जा सकता है ?
- किन–किन चीज़ों के आर–पार नहीं देखा जा सकता ?

शब्दो का खेल

आओ शब्दों की अंत्याक्षरी खेलें ।

अंत्याक्षरी की शुरुआत हम कर देते हैं । उसे आगे बढ़ाओ ।

बाघ – घर – रूमाल – लेकिन ....

कहानी से आगे

तुम्हारे घर या स्कूल के आसपास कौन–कौन से जानवर या पक्षी नज़र आते हैं ? पता करो ।

जानवर ....

पक्षी ....

कितने पहिए

कुछ गाड़ियों में दो पहिए होते हैं, कुछ में तीन और कुछ में चार । कक्षा में बातचीत करो और नीचे सही खानों में गाड़ियों के नाम लिखो।

दो पहिए	तीन पहिए	चार पहिए
....	....	....
....	....	....
....	....	....

तेंदुए की खबर

चालाक, खासी, शोरगुल, तेंदुआ, पार्क

मुंबई, 12 मार्च,

मंगलवार की सुबह तेंदुए का एक बच्चा बस में पहुँच गया । इससे पहले कि तेंदुए का बच्चा बस में चढ़ता चालक डरकर भाग गया । देखते ही देखते लोगों की अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई । इनमें से कुछ लोग तो अपने बचाव के लिए कुल्हाड़ी और लाठी भी लेकर आए थे । भीड़ और शोरगुल से घबराकर चार महीने का वह तेंदुए का बच्चा बस के नीचे छुप गया ।

9.00 बजे जाकर पुलिस, फायर–ब्रिगेड और बोरीवली पार्क के जानवरों के डॉक्टर, डॉ. रणधीर बरहट्टे उस जगह पहुँचे । सभी ने मिलकर उसे बाहर निकालने की बहुत कोशिश की पर वह टस से मस न हुआ । हारकर डॉ. बरहट्टे ने बेहोशी की दवा की सुई तैयार की और एक लंबे पाइप से फूँककर तेंदुए के बच्चे को लगाई । बेहोश होने के बाद उसे बोरे में लपेटकर जीप में बोरीवली पार्क ले जाया गया । आँख खुलने पर उसने अपने आप को एक पिंजरे में पाया ।

खबर की बात

(क) क्या तुम बता सकते हो कि

- यह घटना किस जगह घटी ?
- घटना किस दिन घटी ?
- उस दिन क्या तारीख थी ?

(ख) तुमने तेंदुए के बच्चे की यह खबर पढ़ी । तुम्हारे घर आस–पड़ोस या स्कूल में आनेवाले कुछ अखबारों के नाम पता करो और लिखो।

....

....

....

बस तक कैसे पहुँचा ?

- तुम्हारे विचार से यह तेंदुए का बच्चा बस के पास कहाँ से पहुँचा होगा ?
- कुछ लोग लाठी और कुल्हाड़ी लेकर क्यों पहुँच गए थे ? तुम होते तो क्या करते ?

अखबारों के लिए

(क) क्या तुम अपनी कक्षा या घर की किसी घटना को एक खबर की तरह समाचार पत्र के लिए लिख सकते हो ।

जगह, दिन, तारीख, लिखना मत भूलना ।

यह घटना कुछ भी हो सकती है जैसे–

- किसने किससे की लड़ाई
- खोज–खोज कर मैं तो हारी, चीज़ हो गई गुम
- घर में शादी, वाह भाई वाह !
- कौन हारा कौन जीता !

(ख) यहाँ नीचे बाघ का चित्र दिया गया है । तुम भी अपनी पसंद का कोई जानवर बनाकर उनमें इसी तरह के डिज़ाइन बनाओ और रंग भरो।

चित्र के बारे में बच्चों से बातचीत करें । उन्हें बताएँ कि यह चित्र मध्यप्रदेश की गोंडी शैली में बना है ।

बाघ का बच्चा

बाघ उछलता धूम सुस्ताता गुर्राता

रस्ता पक्का हो या कच्चा,
चलता उस पर बाघ का बच्चा ।

कभी उछलता कभी कूदता,
धूम मचाता बाघ का बच्चा ।

बाल पूँछ के और मूँछ के,
लहराता है बाघ का बच्चा ।

पंजे अपने कहीं अड़ाता,
सुस्ताता है बाघ का बच्चा ।

माँ जब चलती वह चल पड़ता,
कभी कहीं वह गिरता पड़ता ।

पानी में भी उछल तैर कर,
चलता जाता बाघ का बच्चा ।

बड़ा बहादुर बाघ का बच्चा ।
घबराता ना बाघ का बच्चा ।

घूम–घूम कर दूर–दूर तक,
हो आता है बाघ का बच्चा ।

पेट पीठ पर भूरी काली,
धारी–धारी बड़ी निराली ।

चलता आता चलता आता,
गुर्राता है बाघ का बच्चा ।

13. डल झील

प्रसिद्ध	युद्ध	शुद्ध	बुद्ध
व्यास	ब्याज	आश्रम	

डल कश्मीर की सुंदर झील है। यह झील श्रीनगर में है। इस झील का पानी साफ़ और मीठा है। पानी में कमल के फूल खिलते हैं। कमल एक लंबी नाल पर खड़ा रहता है। कमल नाल की सब्ज़ी बनती है। कमल नाल को 'नदरू' भी कहते हैं।

डल झील में नावें चलती हैं । नावघर को 'हाउसवोट' भी कहते हैं । नावघर बहुत सुंदर होते हैं । इनमें लोग रहते हैं । छोटी नाव को 'शिकारा' कहते हैं । शिकारे में लोग डल की सैर करते हैं ।

डल-झील के बीच में एक सुंदर टापू है । इस टापू का नाम 'चारचिनारी' है । एक और छोटा टापू है । इस टापू पर 'नेहरू पार्क' है । यहाँ लोग सैर करने आते हैं ।

डल झील के किनारे कई सुंदर बाग़ हैं । इनमें चश्माशाही, निशात और शालीमार बहुत प्रसिद्ध हैं ।

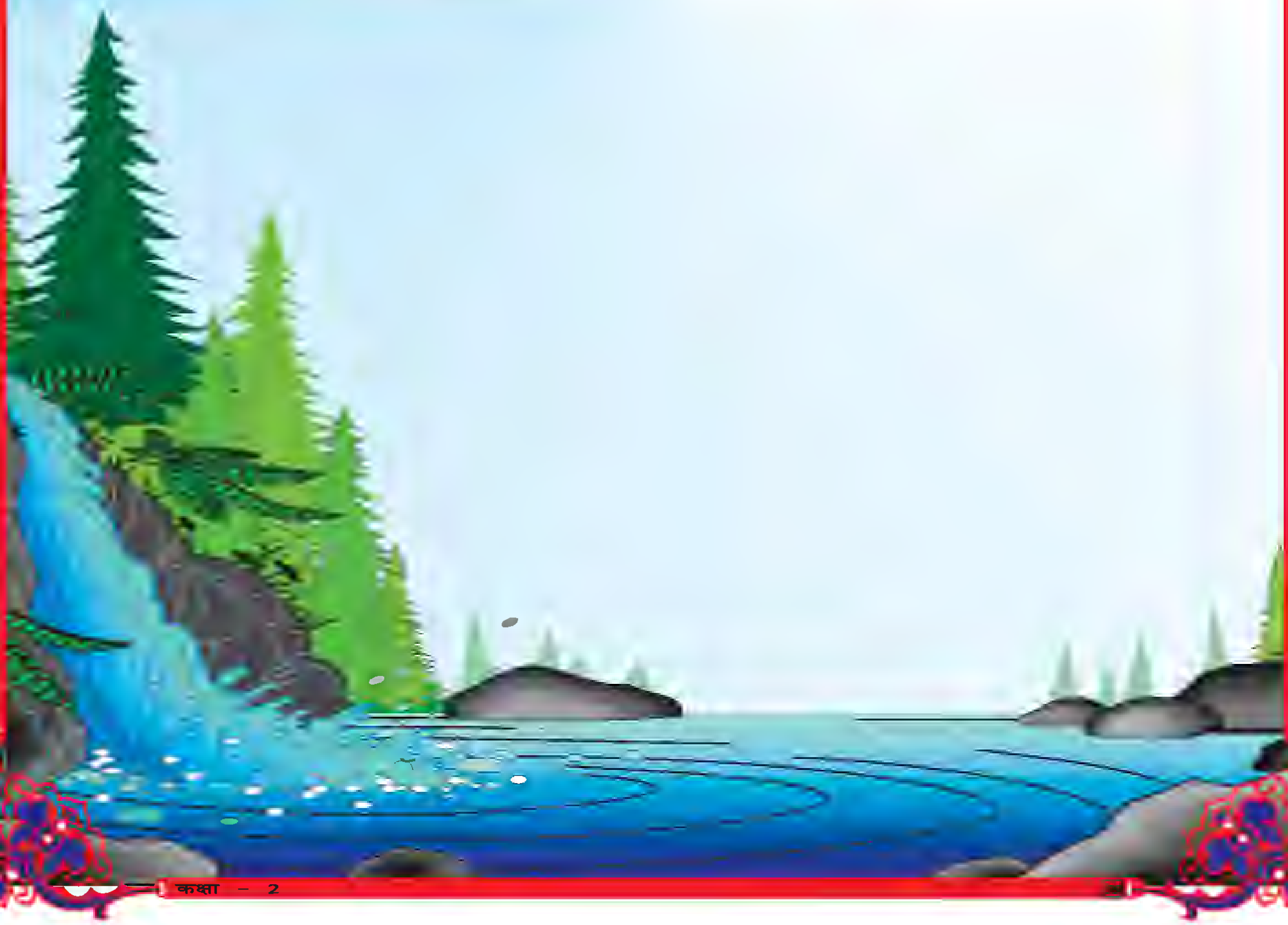

अभ्यास

प्र०१ बताएँ :-

१. डल झील के किनारे पर कौन-कौन से प्रसिद्ध्‌ बाग़ हैं ?

२. डल झील के बीच में कौन-सा सुंदर टापू है ?

३. माँझी लोग किस चीज़ का व्यापार करते हैं ?

४. डल के तैरते खेतों में क्या उगाते हैं ?

उद्‌देश्य : पाठ का प्रत्यास्मरण ।

टिप्पणी :- (१) पाठ पढ़ाने से पहले अध्यापक बच्चों को पानी के विभिन्न संग्रहों जैसे सोते या चश्में, नदी, नाले, झील, समुद्र का परिचय दें । जम्मू क्षेत्र के बच्चों को इन बातों से विशेष रूप से परिचित करवाकर झील के बारे में बताएँ ।

(२) 'प्रसिद्‌ध' शब्द को प्रसिद्ध के रूप में भी लिखा जाता है ।
इसी प्रकार 'बुद्‌ध' और 'शुद्‌ध' के बुद्ध और शुद्ध रूप भी प्रचलित हैं ।

प्र.२ पढ़ें और लिखें :-

मछली	मछलियाँ	मछलियों ....
सब्ज़ी	सब्ज़ियाँ	सब्ज़ियों ....
बत्ती	बत्तियाँ	बत्तियों ....
पत्ती	पत्तियाँ	पत्तियों ....
टोकरी	टोकरियाँ	टोकरियों ....

उद्‌देश्य : शब्दों के विभिन्न रूपों का ज्ञान ।

प्र.३ पढ़ें और लिखें :-

(क) प्रसिद्ध, बुद्ध, शुद्ध, युद्ध

....

(ख) ब्यास, ब्याज, ब्याह

....

उद्देश्य : व्यंजन-युग्मों का परिचय ।

प्र.४ पढ़ें और लिखें :-

'डल' कश्मीर की सुंदर झील है ।

उद्देश्य : पढ़ने व लिखने का अभ्यास ।

प्र.५ पढ़ें और लिखें :-

(क) आश्रम, परिश्रम, विश्राम, मिश्र, श्रीमान ।

....

(ख) शक्ल शाम शक्ति शिला

....

शीश शुक शूल शैव

....

शैली शंका शंकर शरीर

....

उद्देश्य : शब्द ज्ञान बढ़ाना ।

प्र.६ प्रश्नों के उत्तर लिखें :-

(क) डल झील कहाँ है ?

उत्तर :

(ख) इस झील के किसी एक टापू का नाम लिखें ?

उत्तर :

(ग) छोटी नाव को क्या कहते हैं ?

उत्तर :

(घ) डल झील के किनारे कौन-कौन से बाग़ है ?

उत्तर :

उद्देश्य : प्रश्नोत्तर शैली का विकास ।

प्र.७ तालिका में दिए शब्दों और वाक्यांशों से सही वाक्य बना कर लिखें :-

माँझी डल झील में	झीलों में	रहते हैं ।
कमल	मछलियों का शिकार	उगाते हैं ।
डल झील में	सब्ज़ियाँ	खिलते हैं ।
माँझी	नावघरों में	करते हैं ।

जैसे :- कमल झीलों में खिलते हैं ।

....

....

....

....

....

उद्देश्य : शुद्ध वाक्य बनाना ।

प्र.८ पढ़ें और समझें :-

प्रसिद्ध	=	मशहूर, जाना-माना
कमलनाल	=	कमल की नाल, या डंठल
टापू	=	ज़मीन का टुकड़ा जो चारों ओर पानी से घिरा हो ।

उद्देश्य : शब्दों का अर्थ परिचय ।

प्र.९ पाठ में दिए गए चित्र को देखकर बताएँ :-

(क) डल झील में कितने शिकारी दिखाई देते हैं ?

(ख) हाउस बोट में कितने व्यक्ति खड़े हैं ?

(ग) पहाड़ी पर स्थित क़िले का नाम क्या है ?

उद्देश्य : चित्र की सहायता के पाठ का प्रत्यास्मरण ।

14. सूरज जल्दी आना जी !

कुहासा भीगे सीले

एक कटोरी, भर कर गोरी
धूप हमें भी लाना जी ।
सूरज जल्दी आना जी ।

जमकर बैठा यहाँ कुहासा
आर–पार न दिखता है ।
ऐसे भी क्या कभी किसी के
घर में कोई टिकता है ?
सच–सच ज़रा बताना जी ।
सूरज जल्दी आना जी ।

कल की बारिश में जो भीगे
कपड़े अब तक गीले हैं ।
क्या दीवारें, क्या दरवाज़े
सब के सब ही सीले हैं ।
छोड़ो आज बहाना जी ।
ना... ना.... ना–ना...ना–ना–जी ।
सूरज जल्दी आना जी ।

रंगों की बात

कविता में धूप का रंग गोरा बताया गया है । तुम्हें धूप का रंग कैसा लगता है ?

धूप कब नहीं सुहाती

कौन–से मौसम में धूप बिल्कुल नहीं सुहाती ।

तब तुम धूप से बचने के लिए क्या–क्या करती हो ?

- छाता लेकर जाते हैं ।
- ....
- ....
- ....
- ....

शब्दों का मेल

नीचे दिए शब्दों के आगे चार–चार शब्द लिखे हैं । इन चारों में से एक–एक शब्द अलग है । बताओ कि अलग शब्द कौन–सा है ?वह शब्द बाकी सबसे अलग क्यों है ?

बारिश – पानी, गीला, बादल, पटना

घर – दरवाज़ा, खिड़की, साबुन, दीवार

सूरज – धरती, धूप, पसीना, गरमी

कटोरी – कड़ाही, तश्तरी, चूल्हा, गिलास

अगर ऐसा हो

- अगर धूप न हो **तो क्या होगा ?**

  ....

  ....

- अगर हवा न हो **तो क्या होगा ?**

  ....

  ....

- अगर पानी न हो **तो क्या होगा ?**

  ....

  ....

- अगर पेड़–पौधे **न हों तो क्या होगा ?**

  ....

  ....

कौन–सा बहाना

सूरज का अभी **आने का मन नहीं है । वह बच्चों को क्या बहाने** बनाकर मना क**रेगा ?**

आज ....

कुहासा

कुहासे का मतलब है कोहरा या धुँध । कोहरा किस मौसम में छा जाता हैं ?

....

सूख जा भई सूख जा

मान लो कल स्कूल से घर आते हुए तुम तेज़ बारिश में भीग गईं । तुम इन्हें कहाँ सुखाओगी ?

तुम्हारी ये चीज़ें कितने समय में सूखेंगी ?

- कमीज़
- बस्ता
- जूते

फ़र्क पहचानो

फ़ीका–फीका

फ़ीता और फीका दोनों शब्दों में अंतर है न! इन्हें बोला भी अलग–अलग तरह से जाता है । पहले फ़ी में बिंदी लगी है जबकि दूसरे फी में बिंदी नहीं है । नीचे ऐसे कुछ और शब्द दिए गए हैं । उन्हें बोल और सुनकर अंतर समझो । दोनों तरह का एक–एक शब्द खुद भी जोड़ो ।

काफ़ी	फिर
सफ़ेद	फैलना
तारीफ़	फटना
....	....

15. नटखट चूहा

नटखट	मस्ती	झूमता	दर्ज़ी
कृपया	चेहरा	आइना	

बच्चो, एक था चूहा । बहुत ही नटखट और बड़ा ही चालाक । कुछ न कुछ शरारत करने का उसका हमेशा मन करता रहता था ।

एक दिन उसने अपने दिल में सोचा – आज मैं शहर जाऊँगा । बारिश के कारण बिल से बाहर निकले बहुत दिन बीत गए हैं । घर में बैठे–बैठे दिल घबरा गया है । नटखट चूहा झटपट तैयार होकर शहर की ओर निकल पड़ा । वह मस्ती में झूमता हुआ चला जा रहा था कि रास्ते में उसे एक बड़ी–सी कपड़े की दुकान दिखाई दी । दुकानदान अपनी दुकान खोल कर अंदर जा ही रहा था कि नटखट चूहा भी चुपचाप उसके पीछे अंदर चला गया । जैसे ही दुकानदार अपनी जगह पर बैठा, उसकी नज़र चूहे पर पड़ी ।

दुकानदान ने कहा – अरे, तू मेरी दुकान में क्या कर रहा हैं ?

चल भाग यहाँ से ।

चूहा बोला – मैं अपनी टोपी के लिए कुछ कपड़ा खरीदने आया हूँ ।

दुकानदार हँसा – हा, हा! हट यहाँ से । मैं चूहों को कुछ नहीं बेचता।

चूहा गुस्से में बोला – तुम मुझे कपड़ा नहीं बेचोगे ?

दुकानदार बोला – भाग यहाँ से । बेकार मेरा समय बर्बाद न कर ।

चूहा चिल्लाया – तुम मुझे कपड़ा देते हो या नहीं ?

दुकानदार बोला – नहीं, बिल्कुल नहीं ।

इस बार नटखट चूहे ने गाना गया –

रातों रात मैं आऊँगा

अपनी सेना लाऊँगा

तेरे कपड़े कुतरूँगा

दुकानदार डर कर बोला – चूहे भैया, ऐसा न करना, मैं अभी तुम्हें रेशमी कपड़े का टुकड़ा देता हूँ ।

और उसने चूहे को रेशमी कपड़े का टुकड़ा दे दिया ।

कपड़ा लेकर चूहा उछलता–कूदता दुकान से बाहर निकल गया । फिर वह एक दर्ज़ी की दुकान में आ पहुँचा ।

चूहे ने कहा – दर्ज़ी जी, मुझे तुमसे कुछ काम है ।

काम ! क्या काम ?– दर्ज़ी ने गुस्से से पूछा ।

चूहे ने दर्ज़ी को रेशमी कपड़ा दिया और कहा – कृपया इस कपड़े की एक अच्छी टोपी सिल दो ।

दर्ज़ी हँसा

चल हट यहाँ से , मेरा समय खराब न कर । मेरे पास तेरा काम करने का समय नहीं है – दर्ज़ी ने कहा ।

अब चूहे को गुस्सा आ गया ।

वह ज़ोर से चिल्लाया – तुम मेरी टोपी सिलोगे या नहीं ?

नहीं, नहीं, नहीं – दर्ज़ी ने कहा ।

तो ठीक है – चूहा बोला और गाने लगा

रातों रात मैं आऊँगा
अपनी सेना लाऊँगा
तेरे कपड़े कुतरूँगा

दर्ज़ी ने कहा – चूहे भैया, ऐसा न करना, मैं अभी तुम्हारी टोपी बनाता हूँ ।

और थोड़ी ही देर में दर्ज़ी ने चूहे के लिए एक सुंदर–सी रेशमी टोपी तैयार कर दी । नटखट चूहे ने उसे पहना और फिर अपना चेहरा आइने में देखा ।

यह टोपी तो एकदम सादी है । मैं इस पर चमकीले सितारे लगवाऊँगा – चूहे ने सोचा ।

वह कूदता–फाँदता दुकान से बाहर निकल गया । वह सड़क पर शान से चल रहा था कि उसकी नज़र एक छोटी सी दुकान पर पड़ी जहाँ सुनहरे और रूपहले सितारे बिक रहे थे । अंदर जा कर वह इधर–उधर उछलने–कूदने लगा ।

दुकानदान ने कहा – अरे चल यहाँ से । तू यहाँ क्या करने आया है ?

चूहे ने कहा – मैं अपनी टोपी के लिए सुनहरे और रूपहले सितारे खरीदने आया हूँ ।

दुकानदान ने कहा – भाग यहाँ से । मुझे बेवकूफ़ बनाने की कोशिश न कर । एक चूहे को सितारों से क्या मतलब ?

तुम मुझे सितारे बेचोगे या नहीं ?– चूहे ने गुस्से से पूछा ।

नहीं, नहींए नहीं मैं तुम्हें सितारे नहीं बेचूगाँ – दुकानदार ने कहा ।

फिर चूहे ने उत्तर दिया –

रातों रात मैं आऊँगा
अपनी सेना लाऊँगा
सारे सितारे बिखेरूँगा

दुकानदार ने कहा – चूहे भैया, ऐसा न करना । मैं तुम्हारी टोपी के लिए रंग–बिरंगे सितारे दे दूँगा और यही नहीं, उन्हें तुम्हारी टोपी में टाँक भी दूँगा ।

अच्छा, तो ज़रा जल्दी करो – चूहे ने कहा ।

टोपी बनकर तैयार हो गई । चूहा टोपी पहनकर आइने के सामने खड़ा हुआ तो खुशी से उसका मन नाच उठा । वह सोचने लगा – मैं भी किसी राजा से कम नहीं हूँ । मैं अपनी सुंदर टोपी किसे दिखाऊँ ?चलो अपनी चमकीली टोपी राजा को ही दिखाता हूँ ।

एक घंटे के अंदर ही नटखट चूहा राजमहल में राजा के पास आ पहुँचा ।

वह राजा के सामने जा खड़ा हुआ । राजा अचानक चूहे को देख कर बहुत हैरान हुआ । उसने पूछा– अरे, तुम यहाँ क्या कर रहे हो ?

चूहे ने कहा – महाराज, पहले यह बताइए कि मैं इस टोपी में कैसा लग रहा हूँ ।

राजा ने जवाब दिया – वाह, तुम तो एकदम राजकुमार लग रहे हो ।

चूहा झटपट बोला – अच्छा, तो फिर उतरो गद्दी से । यहाँ मैं बैठूँगा ।

राजा को हँसी आ गई । उसने कहा – भाग यहाँ से । मेरा सिंहासन चूहों के लिए नहीं है । केवल एक राजा ही इस पर बैठ सकता है ।

चूहे ने पूछा– तो क्या तुम मुझे अपनी गद्दी नहीं दोगे ?

बिल्कुल नहीं । मैं तुम्हें अपना सिंहासन नहीं दूँगा – राजा ने उत्तर दिया ।

तो तुम नहीं उतरोगे ?– चूहे ने फिर से पूछा ।

नहीं, नहीं – राजा अपनी बात पर अड़ा रहा ।

राजा ने आदेश दिया – पकड़ लो इस चूहे को । सिपाही चूहे को पकड़ने दौड़े ।

चूहा सरपट उनके बीच से निकल गया और सिपाही एक के ऊपर एक गिर पड़े ।

अब चूहे ने उनकी कमर पर हाथ रखकर कहा –

फिर चूहे ने कहा –

रातों रात मैं आऊँगा
अपनी सेना लाऊँगा
तेरे कान कुतरूँगा

राजा ने सोचा, चूहों की फ़ौज तो पूरे महल को तहस–नहस कर देगी । वह डर से काँपने लगा ।

चूहे ने फिर कहा –

रातों रात मैं आऊँगा
अपनी सेना लाऊँगा
तेरे कान कुतरूँगा

राजा डर से काँपने लगा । काँपती आवाज़ में उसने कहा – चूहे भैया, तुम बेकार में नाराज़ हो रहे हो । मैं अपनी गद्दी से अभी उतरता हूँ और तुम शौक से जितनी देर चाहो इस पर बैठ सकते हो ।

चूहा बहुत खुश हुआ । शान से, वह सिंहासन पर बैठ गया और काफ़ी देर तक वहाँ आराम करता रहा । रात जब काफ़ी बीत गई, वह गद्दी से कूद कर नीचे आया और खुशी–खुशी अपने घर को चल दिया ।

उसने शान से अपनी चमकीली टोपी अपने सभी साथियों को दिखाई । सभी दोस्त उसकी कहानी सुनना चाहते थे ।

कहानी से

- दर्ज़ी चूहे की किस बात से डर गया ?
- चूहा टोपी क्यों पहनना चाहता था ?
- चूहा टोपी पर सितारे क्यों लगवाना चाहता था?
- दर्ज़ी ने चूहे की टोपी सिलने से क्यों मना कर दिया ?

पहले क्या हुआ

- चूहा राजा के दरबार में गया ।
- दर्ज़ी ने चूहे की टोपी सिल दी ।
- चूहा दूकानदार के पास सितारे लेने गया ।
- चूहे को रेशमी कपड़े की कतरन मिली ।
- चूहा सिंहासन पर बैठ गया ।
- चूहा तैयार होकर शहर की तरफ निकल पड़ा ।

तुम्हारी समझ से

- बारिश के मौसम में ऐसा क्या होता है जिससे चूहा अपने बिल में से निकल नहीं पाया होगा ?
- क्या तुम्हें भी चूहा नटखट लगा ?क्यों ?
- कपड़े वाले ने, दर्जी ने, सितारे वाले ने चूहे की बात पर ध्यान नहीं दिया। तुम्हें इसका क्या कारण लगता है ?

अँगूठे की छाप से चूहा

पिछले साल तुमने अँगूठे की छाप से चिड़िया, अनार, गठरी, कठपुतली बनाई थी । अँगूठे की छाप से अपनी पसंद के कुछ और चित्र बनाओ ।

किसके पास जाओगे

चूहा अपने कामों के लिए बहुत से लोगों के पास गया । इन कामों के लिए तुम किसके पास जाओगे ?

काम	नाम
कपड़ा खरीदने	....
लकड़ी की कुर्सी बनवाने	....
किताब पर जिल्द चढ़वाने	....
बाल कटवाने	....
मोहल्ले की रखवाली करवाने	....
मिट्टी के दीए और सुराही खरीदने	....
माँ की घड़ी ठीक करवाने	....

एक–अनेक

खाली जगह भरो ।

- इस कमरे में दो .... हैं । (खिड़की)
- बुआ समीना के लिए ढेरों .... लाईं । (कॉपी)
- .... मैंदान में फुटबॉल खेल रही हैं । (लड़की)
- गोविंद तेज़ी से .... चढ़ रहा था । (सीढ़ी)
- गंदी जगह पर .... भिनभिनाती रहती हैं । (मक्खी)

तुम्हारी बात

- तुम बाजार होते तो चूहे को कपड़ा देते या नहीं ?क्यों ?
- चूहा राजा बनकर देखना चाहता था । तुम्हारे विचार से राजा दिन भर क्या करते होंगे ?
- तुम चूहा बनना पसंद करोगे या राजा ?क्यों ?

कैसे हो काम

दर्ज़ी अपने काम में कैंची, फ़ीते, मशीन, धागे आदि का इस्तेमाल करता है । ये लोग किन चीज़ों की मदद से अपना काम करते हैं –

बढ़ई	....	....
रसोइया	....	....
डॉक्टर	....	....
कुम्हार	....	....
चित्रकार	....	....
किसान	....	....

दर्ज़ी का र

दर्ज़ी शब्द में र की आवाज़ है जिसे ऊपर (र्‍) निशान लगाकर लिखा जाता है । ऐसे ही कुछ और शब्द लिखो ।

....

....

NOTE